

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साअधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	कार्तिक 1, बुधवार, ११७६ १९४१-अक्टूबर २३, २०१९ Kartika 1, Wednesday, Saka 1941-October 23, 2019	

भाग-६(क)

नगरपालिकाओं संबंधी विज्ञप्तियां आदि।

राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान

आदेश

जयपुर, अक्टूबर २१, २०१९

संख्या प.१(२)(१)नपा-पंचा/सां.आ./रानिआ/१४/४२०७ :-सां. आ. १२५/२०१९ - राजस्थान नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, १९९४ के नियम ६४-क के उप नियम (१) के उपबन्धों के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इस निमित्त दिए गए साधारण या विनिर्दिष्ट निर्देशों के अधीन रहते हुए नियम ६४ के उपबन्ध नियम ४६-क के उप नियम (४) में निर्दिष्ट डाक मतपत्रों को प्रतिकेपित (नामंजूर) करने के संबंध में लागू होंगे। इस संबंध में निर्देश आयोग के आदेश क्रमांक ३६७६ दिनांक ३०.०९.२०१९ (सां. आ. ११७/२०१९) से जारी किए हुए हैं।

राज्य सरकार के स्वायत्त शासन विभाग, राज., जयपुर द्वारा अधिसूचना संख्या एफ ८(जी.ए)() Rules/DLB/१९/३३८४१ दिनांक १६.१०.२०१९ से नगरीय निकायों में अध्यक्ष पद का निर्वाचन अप्रत्यक्ष रीति से किए जाने के कारण नियम ६४-क सपठित नियम ६४ एवं ४६-क के उप नियम (४) के प्रावधान अब सिर्फ सदस्य पदों के निर्वाचनों में ही लागू होंगे। अतः आयोग द्वारा अपने पूर्व आदेश क्रमांक ३६७६ दिनांक ३०.०९.२०१९ (सां. आ. ११७/२०१९) को अधिक्रमित करते हुए उक्त नियम के उपबन्धों के अनुसरण में डाक मतपत्रों को प्रतिकेपित किए जाने के संबंध में निम्नांकित निर्देश जारी करता है :-

- रिटर्निंग अधिकारी द्वारा मतगणना प्रारम्भ करने के लिए नियत समय की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त लिफाफा-ख (प्ररूप १६-ग) को खोला नहीं जायेगा और ऐसे किसी लिफाफे में अन्तर्विष्ट किसी मत की गणना नहीं की जायेगी।
- निर्धारित समयावधि में प्राप्त होने वाले लिफाफे को एक-एक करके खोला जायेगा और जैसे ही प्रत्येक लिफाफे को खोला जाए, रिटर्निंग अधिकारी प्रथमतः उसमें अन्तर्विष्ट प्ररूप १६-क में की गई घोषणा की संवीक्षा करेगा।
- यदि प्ररूप १६-क में की गई घोषणा नहीं पायी जाती है या उसे सम्यक रूप से हस्ताक्षित और अनुप्रमाणित नहीं किया गया है, अर्थात् सारतः त्रुटिपूर्ण है या यदि उसमें यथा प्रविष्ट मतपत्र का क्रम संख्यांक लिफाफा-क (प्ररूप १६-ख) पर पृष्ठांकित क्रम संख्यांक से भिन्न है तो लिफाफा-क (प्ररूप १६-ख) को खोला नहीं जायेगा और उस पर समुचित पृष्ठांकन करने के पश्चात् रिटर्निंग अधिकारी उसमें अन्तर्विष्ट मतपत्र को प्रतिकेपित (नामंजूर) कर देगा।

4. बिन्दु संख्या-3 के अनुसार प्रतिक्षेपित (नामंजूर) किए गए ऐसे समस्त पृष्ठांकित लिफाफे-क (प्ररूप 16-ख) और उनके साथ प्राप्त प्ररूप 16-क में घोषणा को पुनः लिफाफा-ख (प्ररूप 16-ग) में रखा जाएगा और इस तरह समस्त लिफाफा-ख (प्ररूप 16-ग) को एक पृथक बड़े पैकेट में रखा जाएगा, जिस पर नगरपालिका नाम, वार्ड संख्या, गणना की तारीख और उसकी अन्तर्वस्तुओं का संक्षिप्त वर्णन अभिलिखित कर पैकेट को मुद्राबन्द किया जाएगा।
5. इसके पश्चात् रिटर्निंग अधिकारी द्वारा प्ररूप 16-क में की गयी उन सभी घोषणाओं को, जो उसने सही पायी हैं, को पृथक पैकेट में रखेगा एवं मुद्राबंद किया जाएगा। इसके बाद ही रिटर्निंग अधिकारी द्वारा लिफाफा-क (प्ररूप 16-ख) को खोलना प्रारम्भ किया जायेगा और जिस पर उपरोक्त मद संख्या-4 में विनिर्दिष्ट विशिष्टियां अभिलिखित की जाएगी।
6. प्ररूप 16-ख (लिफाफा-क) में उन लिफाफों को, जिनके मामले में उपरोक्त मद संख्या-5 के अन्तर्गत कार्यवाही की गई है, को एक-एक करके खोला जाएगा और रिटर्निंग अधिकारी हर एक मतपत्र की संवीक्षा करेगा और उस पर अभिलिखित मत की विधिमान्यता का विनिश्चय करेगा।
7. उपरोक्त मद संख्या-6 के अन्तर्गत संवीक्षा में डाक मतपत्र को प्रतिपेक्षित (नामंजूर) कर दिया जाएगा-
 - (क) यदि उस पर कोई चिह्न (मत को अभिलिखित करने के लिए चिह्न से भिन्न) या लेख है जिससे निर्वाचक की पहचान हो; या
 - (ख) यदि उस पर कोई मत अभिलिखित नहीं है; या
 - (ग) यदि उस पर मत एक से अधिक अभ्यर्थियों एवं किसी एक अभ्यर्थी तथा 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) के पक्ष में दिए गए हैं;
 - (घ) यदि वह बनावटी मतपत्र है; या
 - (ङ) यदि वह ऐसे रूप में क्षत या विकृत है कि असली मतपत्र के रूप में उसकी अनन्यता स्थापित नहीं की जा सकती है; या
 - (च) यदि मत को उपदर्शित करने वाला चिन्ह मतपत्र पर ऐसी रीति से लगा है कि वह बात सन्देहपूर्ण हो जाती है कि मत किस अभ्यर्थी को दिया गया है।
8. किसी भी अभ्यर्थी अथवा 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) के लिए मतपत्र में निर्दिष्ट स्थान में, जिसे मतदाता अपना मत अभिलिखित करना चाहता है, **बालपैन या स्याही से "X" (क्रॉस) का अंकन पर्याप्त होगा।**
9. डाक मतपत्र पर अभिलिखित मत को केवल इस आधार पर कि मत को उपदर्शित करने वाला चिन्ह अस्पष्ट है या एक से अधिक बार लगाया गया है, प्रतिक्षेपित नहीं किया जाएगा यदि यह आशय कि मत किसी विशिष्ट अभ्यर्थी अथवा 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) के लिए है, मतपत्र चिन्हित किए जाने के ढंग से स्पष्ट रूप से प्रतीत होता है।
1. रिटर्निंग अधिकारी उन सभी विधिमान्य मतों की, जो डाक मतपत्र द्वारा हर एक अभ्यर्थी अथवा 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) के पक्ष में दिए गए हैं, गणना करेगा। उनके जोड़ को प्ररूप-21 परिणाम पत्र में अभिलिखित करेगा और उसे सुनाएगा।

2. तदुपरांत सभी विधिमान्य मतपत्रों और सभी प्रतिक्षेपित (नामंजूर) मतपत्रों के पृथक-पृथक बंडल बनाए जाएंगे और सभी विधिमान्य मतपत्रों और सभी प्रतिक्षेपित (नामंजूर) मतपत्रों को पृथक-पृथक पैकेट में रखा जाएगा, जिन्हें रिटर्निंग ऑफिसर की और ऐसे अभ्यर्थियों, उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं या गणन अभिकर्ताओं की, जो इस पर अपने हस्ताक्षर एवं मुद्राएं अंकित करना चाहें, मुद्राओं से मुद्रांकित किया जाएगा। ऐसे मुद्राबंद पैकेटों पर नगरपालिका का नाम, वार्ड संख्या, गणना की तारीख और उनकी अन्तर्वस्तुओं का संक्षिप्त वर्णन अभिलिखित किया जाएगा।

आज्ञा से,

श्याम सिंह राजपुरोहित,
मुख्य निर्वाचन अधिकारी,
एवं सचिव।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।